नव भारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

तेल, तनाव और तंगी

पश्चिम एशिया (ईरान, इजरायल, अमेरिका) में भड़की ताज़ा जंग अब केवल सामरिक टकराव नहीं रही, बल्कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकट का रूप ले चुकी है. युद्ध की राजनीतिक और सैन्य परतों पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी है, किंतु असली चिंता उस आर्थिक भूचाल की है जिसकी आहट दुनिया भर के बाजारों में साफ सुनाई दे रही है. ऊर्जा आपूर्ति, वित्तीय स्थिरता, व्यापार मार्ग और निवेश प्रवाह,सभी पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.

सबसे बड़ा झटका वैश्विक ऊर्जा बाजार को लगा है. हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है. यदि यह मार्ग बाधित रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र उछाल अवश्यंभावी है. तेल की कीमतें यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर टिकती हैं, तो इसका सीधा असर वैश्विक महंगाई पर पड़ेगा. परिवहन महंगा होगा, औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ेगी और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आएगी. यूरोप पहले से ऊर्जा अस्थिरता झेल रहा है. चीन की विनिर्माण क्षमता लागत दबाव में आएगी. अमेरिका में महंगाई और ब्याज दरों को लेकर नई बहस छिड़ सकती है. ऊर्जा संकट के साथ वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ी है. युद्ध की आशंका निवेशकों को जोखिम से दूर करती है. सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर झुकाव बढ़ता है, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकलने लगती है. डॉलर मजबूत होता है और विकासशील देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ता है. यदि यह प्रवृत्ति लंबी चली, तो वैश्विक विकास दर में गिरावट और मंदी का खतरा वास्तविक रूप ले सकता है. अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी प्रभावित होगा, क्योंकि शिपिंग बीमा, मालभाड़ा और लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी.

भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से संवेदनशील है. देश अपनी ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है. तेल महंगा होने का अर्थ है आयात बिल में भारी वृद्धि. इससे चालू खाता घाटा बढ़ेगा और रुपये पर दबाव आएगा. यदि रुपया कमजोर होता है, तो अन्य आयातित वस्तुएं भी महंगी होंगी, जिससे व्यापक महंगाई बढ़ेगी. पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, कृषि और उपभोक्ता वस्तुओं पर दिखाई देगा. महंगाई बढ़ने की स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक को मौद्रिक नीति सख्त रखनी पड़ सकती है. ऊंची ब्याज दरें निवेश और उपभोग दोनों को प्रभावित करेंगी. शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली से अस्थिरता बढ़ सकती है. इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की आय और प्रेषण पर भी जोखिम मंडरा सकता है, यदि वहां आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ती हैं. दीर्घकालिक दृष्टि से यह संकट ऊर्जा निर्भरता की कमजोरी को उजागर करता है. वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा और आपूर्ति विविधीकरण की आवश्यकता और स्पष्ट हो गई है. भारत के लिए सामरिक पेट्रोलियम भंडार को सुदृढ़ करना और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में निवेश बढ़ाना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है.

स्पष्ट है कि यह युद्ध सीमित भू-राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन की परीक्षा है. यदि शीघ्र कूटनीतिक समाधान नहीं निकला, तो महंगाई, वित्तीय अस्थिरता और विकास दर में गिरावट का दुष्चक्र विश्व अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक प्रभावित कर सकता है. भारत सहित सभी आयात-निर्भर देशों के लिए यह समय सतर्क आर्थिक प्रबंधन और दूरदर्शी नीति का है.

पृथ्वी को ही खात्मा करने को आमादा

संदीप खमेसरा

साहस अच्छा है. लेकिन साहस, जब मर्यादा तोड़ दे तो वह वहशीपन बन जाता है. रावण साहसी था और मेघनाथ भी. साहसी दुर्योधन भी था और दुशासन भी. लेकिन जब इनके साहस ने मर्यादा की सीमाओं का उल्लंघन किया, तो ये दरिंदे बने और और स्वयं के विनाश का कारण भी. साहसी लक्ष्मण भी थे. लेकिन मर्यादा (राम) के साथ ने उन्हें कभी निरंकुश नहीं होने दिया. इस पृथ्वी का एक ही ठेकेदार है, जो अनंतकाल से अपनी मन मर्जी चलाए जा रहा है.

प्रकृति के नियमों से उसका कोई सरोकार नहीं. उसके अपने नियम हैं, उसके अपने मानदंड. इन सबके केंद्र में बस उसका स्वयं का स्वार्थ है. मानव नाम का यह जीव ही पृथ्वी में ऐसा बारूद भर रहा है, जो उसके ही विनाश का कारण बन जाएगा. वर्तमान में समूचा विश्व आक्रांताओं के खौफ से ग्रसित है. युद्ध में कूद चुके कई देश, एक दूसरे का मटियामेट करने को तत्पर हैं. रिहायशी इलाके भी अब मिसाइलों के निशाने पर हैं. हजारों बेगुनाह मारे जा रहे हैं. चहुं ओर भय और अनिश्चितता का वातावरण है. बड़े बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष पृथ्वी की सुरक्षा के नाम पर, पृथ्वी का ही खात्मा करने को आमादा हैं. बच्चे, बूढ़े, जवान गजर मूली की तरह कट रहे हैं. चिड़ियों, चीतों और अन्य प्रजातियों के संरक्षण का दम ठोकने वाली मानव जाति, मानवों का जिस तरह कत्लेआम कर रही है, वह निश्चित ही मानव सभ्यता के लिए शर्म का विषय होना चाहिए.

प्रत्यक्ष रूप से युद्ध प्रभावित देशों के नागरिक तो बुरी तरह से त्रस्त होकर भीतर से टूट ही जाते हैं. अपने को खोने का जीवनभर का गम उन्हें मिल जाता है. रोटी, पानी और मकान की मूलभूत सुविधाएं भी कईयों की छिन जाती हैं. अर्थव्यवस्था छिन्न भिन्न हो जाने से आगामी कई वर्षों के नए संघर्ष का दौर शुरू हो जाता है. लंबा मानसिक संताप और नकारात्मक माहौल, आगे की दो तीन पीढ़ियों की पूरी वृत्ति को ही परिवर्तित कर देता है. वंशानुगत परिवर्तन अभिव्यक्त हो जाता है. परोक्ष रूप से, अन्य देशों पर भी इसका प्रभाव होता है. चाहे महंगाई से, अपने निवेश के अवमूल्यन से, अनिश्चिताओं से या अंधकारमय भविष्य के भय से! जिनके सगे सम्बन्धी इन क्षेत्रों में फंस जाते हैं उनकी नींद उड़ जाती है.

मन में एक दृश्य बनता है. कल ऐसी किसी स्थिति का सामना, हमें भी भविष्य में करना पड़े तो व्यक्तिगत और मानसिक रूप से हमारी क्या तैयारी होनी चाहिए. मानसिक संबल बना रहे, हर स्थिति में स्वीकार का भाव विकसित हो सके, न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं की अपर्याप्तता में भी घोर विचलन से द्रवित न हो पाएं, लंबे समय के नैराश्य भरे वातावरण में भी स्वयं को संभाल पाएं, किसी भी तरह की बड़ी हानि में भी स्वयं को खड़ा रखने की हिम्मत जुटा पाएं, ऐसे कुछ गुणों के विकास के बारे में भी व्यक्ति को सोचना चाहिए.

अनिश्चितता के दौर में कब कैसी स्थिति से साक्षात्कार हो जाए कहा नहीं जा सकता. अमन, प्रेम और शांति का कोई विकल्प नहीं है. मानव की भौतिक तरक्की ही नहीं, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी उचित वातावरण की आवश्यकता होती है. स्वयं को प्रकृति का एक छोटा सा अंग मानना होगा. न कि प्रकृति का नियंता. यह तो मानव रचित प्रलय है, जिसका वर्तमान में हम सामना कर रहे हैं. प्रकृति जब अपना रौद्र रूप दिखाती है, तब परिणाम और भी गंभीर होते हैं. वहां ताकतवर और कमजोर सभी एक ही तराजू में तोले जाते हैं. वहां, बचने का कोई उपाय नहीं है. मानव के अहंकार जनित युद्धों से भौतिक उपलब्धियां एक झटके में नेस्तनाबूत हो जाएंगी, लेकिन प्रकृति जब रूठेगी तब भौतिकता जस की तस खड़ी रह जाएगी और समूची जीवित प्रजाति चंद मिनट में विलुप्ति के कगार पर खड़ी हो जाएगी.

होली के पवन पर्व पर द्वेष, क्रोध और अहंकार का स्वाह हो, न कि पृथ्वी माता का...., चहुं ओर मंगल हो....!!

मालवा- निमाड़ की डायरी

बेटी को क्यों नहीं रोक पाए सत्तन?

संजय व्यास

हाल ही में पूर्व विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण सत्तन अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं. विगत दिनों उनकी पत्रकार सुपुत्री कनुप्रिया ने राजनीति में कदम रखा.यह कोई सनसनी नहीं थी, सुर्खियां बनने की बात थी कि उनकी राजनीतिक पारी की शुरूआत भाजपा से नहीं बल्कि कांग्रेस ज्वाइन करने से हुई. सत्तन इसे लोकतांत्रिक स्वतंत्रता निरुपित कर रहे हैं, मगर ऐसा नहीं है. कनुप्रिया ने आज के दौर में अपने पिता की भाजपा में उपेक्षा व हाशिए का दर्द देखा है. सत्तन चाहते तो बेटी को भाजपा में ही प्रवेश दिलवाते, पर उन्हें इसमें कनुप्रिया के केरियर की कोई उम्मीद सामने नजर नहीं आ रही थी.

एक तो इंदौर की भाजपाई गुटबाजी का शिकार वे करीब डेढ़ दशक से उपर बनते आ रहे हैं, पूछ-परख केवल चुनावी समय की रस्म बनकर रह गई है. जब उनका यह हाल बना रखा है तो बेटी के लिए वे क्या कर पाते? दूसरा भाजपा में नरेंद्र मोदी के आने के बाद मुखर हुआ वंशवाद का विरोध भी रोड़ा बन सकता था. 2008 के लोकसभा चुनाव की कमान सत्तन को सौंपी गई थी. भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा महाजन थीं. सत्तन चुनावी रणनीति के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे थे, लेकिन एक खेमा उसे बिगाडने् पर तुला था.

सत्तन के ही शब्दों में वे महाजन को मात्र कुछ हजार बोटों से ही जीत दिला पाए. इस गुटबाजी से व्यथित ने उस चुनाव के बाद से कभी भाजपा कार्यालय में कदम नहीं रखा. अब ऐसी स्थिति में जब बेटी ने कांग्रेस में जाने का मन बनाया तो सत्तन कुछ समझाने से रहे. वे चाहते तो रोक सकते थे, परंतु उन्होंने बेटी के कदम को नहीं रोका.

कनुप्रिया का सियासी गणित

सत्यनारायण सत्तन परिवार इंदौर विधान सभा क्षेत्र क्र. 1 का रहवासी है. कांग्रेस से कर्मचारी नेता रामलाल यादव दमदार नेता रहे हैं और विधायक भी बने. उनके निधन के बाद संजय शुक्ला भाजपा को टक्कर देते रहे.और 2018 में विधायक बने. 2023 की हार के बाद संजय शुक्ला व अन्य चर्चित नेता कमलेश खंडेलवाल के भाजपा में जाने से कांग्रेस में उपजे वेक्यूम में कनुप्रिया को यहां स्कोप नजर आ रहा है.

भाजपा में टिकट की संभावना नगण्य थी. कांग्रेस ज्वाइन करने का उनका यही कारण सामने आ रहा है. कोई तगड़े प्रतिस्पर्धी के न होने का उन्हें लाभ मिल सकता है और विधान सभा का कांग्रेस टिकट मिलने की राह आसान रहेगी. बाकि उम्मीद उन्हें अपने पिता की कार्य स्थली के कारण बने उनके संपर्क पर टिकी है.

2 लाल बत्ती की आस

भाजपा ने संगठन कसावट की तैयारियां शुरू कर दी है. नेपानगर विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा देवी कास्डेकर को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब बुरहानपुर वासियों को होली पश्चात संभावित मंत्री मंडल विस्तार तथा निगम मंडलों में नियुक्ति के चलते पुन: 2 लाल बत्ती मिलने की आशा है. चर्चा में कुछ नाम जोरों पर हैं. इनमें प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अर्चना चिटनीस भी शामिल हैं.

बंगाल में 61 लाख संदिग्ध वोटर

चुनाव आयोग ने बंगाल में 61 लाख लोगों को संदिग्ध मतदाता माना है और उनके मामले कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारी के पास निपटारे के लिए भेज दिए हैं. यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर की जा रही है. राज्य में मार्च के द्वितीय सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने की संभावना है. इसलिए बहुत कम समय बचा है. बंगाल की अंतिम मतदाता सूची 6.4 करोड़ बताई जाती है. अक्टूबर 2025 से लेकर अब तक 1.2 करोड़ नाम हटाए जा चुके हैं. इनमें से 61.8 लाख नाम इसलिए निकाले गए हैं, क्योंकि ये मतदाता कहीं ओर रहने चले गए या उनके नाम बार-बार अनेक स्थानों पर दर्ज थे और कुछ का निधन हो चुका था. मतदाता सूची में सुधार के चपेट में कुछ महत्वपूर्ण लोग भी आए हैं. नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, नेताजी सुभाषचंद्र बोस के वंशज चंद्र बोस, अभिनेता देव व अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती को एसआईआर सुनवाई के लिए पेश होना पड़ा. मतदाता सूची में अमर्त्य सेन की उम्र और उनकी मां की आयु के बीच सिर्फ 15 साल का फासला था. जबकि वास्तव में यह 19.5 साल का फासला होना चाहिए था. आखिर अमर्त्य सेन का नाम संशोधित सूची में शामिल करना पड़ा. चंद्र बोस का नाम भी सही पाया गया. इसी तरह जांच पूरी होने पर अंतिम सूची में सांसद व अभिनेता देव तथा अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का नाम शामिल किया गया. वांकुडा जिले में 1.2 लाख नाम काट दिए गए हैं. अपना नाम हार्ड कॉपी में चेक करने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ चुनाव कार्यालय व मतदान केंद्रों पर देखी गई.

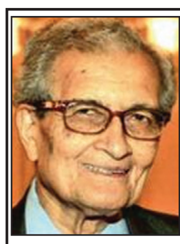

नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, नेताजी सुभाषचंद्र बोस के वंशज चंद्र बोस, अभिनेता देव व अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती को एसआईआर सुनवाई के लिए पेश होना पड़ा. मतदाता सूची में अमर्त्य सेन की उम्र और उनकी मां की आयु के बीच सिर्फ 15 साल का फासला था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

14 वर्ष का वैभव सूर्यवंशी 14 गेंदों में ठोकी हाफ सेंचुरी

पडोसी ने हमसे कहा 'निशानेबाज, 15 वर्ष से भी कम आयु के वैभव सूर्यवंशी विस्फोटक बल्लेबाज हैं जिन पर हमें नाज होना चाहिए. वैभव ने मुंबई में डीवाई पाटिल टी-20 टूर्नामेंट में इंडियन नेवी के खिलाफ खेलते हुए केवल 14 गेंदों में अर्धशतक बनाया. इस ओपनर ने 331 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. डीवाई पाटिल टीम के इस खिलाड़ी के सामने इंडियन नेवी टीम के खिलाड़ी पानी भरते नजर आए.'

हमने कहा 'वैभव नए भारत का वैभव है. इसके पहले भी उसने विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए सिर्फ 36 गेंदों में सेंचुरी बना ली थी और 84 गेंदों में 190 रन ठोक दिए थे. इसके भी पूर्व आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 35 गेंदों में सेंचुरी बनाई थी. उसकी आतिषी बल्लेबाजी देखकर प्रतिद्वंदी टीम गुजरात टाईटन्स के खिलाडी हक्के-बक्के रह गए थे. तब राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच राहुल द्रविड वैभव का खेल देखकर चकित हो गए थे और उन्होंने खड़े होकर ताली बजाई थी.'

हमने कहा, 'मोदी हैं तो मुमकिन है. नेहरू युग में अधिकांश क्रिकेट खिलाड़ी टुक-टुक खेलते थे. अब तो चौका-छक्का मारे बिना किसी को चैन नहीं है. भगवान राम के समान वैभव भी सूर्यवंशी है. उसकी उपलब्धि पर मोदी चाहे तो जी राम जी बोल सकते हैं.'

पडोसी ने कहा निशानेबाज सूर्यवंशी हमेशा से बड़े प्रतापी रहे हैं. भगवान राम के पूर्वज इक्ष्वाकु, हरिश्चंद्र, सगर, अंशुमान, भगीरथ, दिलीप, रघु, अज व दशरथ थे. यह है सूर्यवंश की महान परंपरा! अमिताभ बच्चन की फिल्म सूर्यवंशम बार-बार टीवी पर दिखाई जाती है. वैभव सूर्यवंशी के खेल में सौर उर्जा या सोलर एनर्जी है. जब वह विजय हजारे ट्रॉफी और डीवाई पाटिल टीम की ओर से खेल चुका है, तो उसे महाराष्ट्र में आकर बस जाना चाहिए. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहें तो उसे बुलाकर एमओयु पर हस्ताक्षर करवा सकते हैं.' हमें कहा, यदि मनसे प्रमुख राज ठाकरे से पूछा जाए तो वह कहेंगे कि परप्रांतीय खिलाड़ी की उतनी चर्चा क्यों होनी चाहिए, सिर्फ मराठी माणुस की बात कीजिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12187

-डॉ. सागर खादीवाला

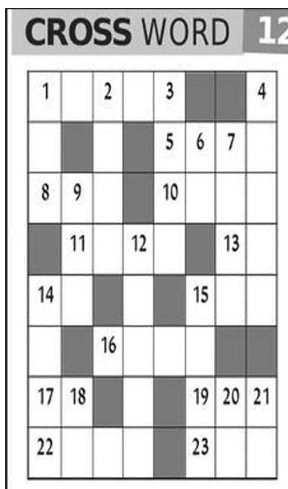

बाएं से दाएं

1. काव्य रस को ग्रहण करने वाला (सं.) 5. बचा खुचा 8. एक वृक्ष से निकलने वाले दूध का बनाया हुआ लचीला पदार्थ जो बहुत सी वस्तुओं के काम आता है 10. देवता या बड़ों का प्रसन्न होने पर कोई अभिष्ट वस्तु या सिद्धी प्रदान करना 11. बुनने का कार्य या ढंग 13. हिंदुओं के एक प्रसिद्ध देवता जो सृष्टि का संहार करने वाले माने जाते हैं 14. हल्दी या केसर के रंग का 15. किसी पक्ष की 9वीं तिथि 16. विनाश करने वाला 17. सेवक, गुलाम 19. सुंदर, मनोहर, सौंदर्य, श्रृंगार रस का एक शारीरिक हाव-भाव (सं.) 22. घृणा (उर्दू) 23. चिल्लाना

ऊपर से नीचे

1. नास्तिक, ईश्वर का अस्तित्व न मानने वाला (उर्दू) 2. घर्षण करना, अति परिश्रम करना 3. बाजू के बल लेटने की मुद्रा 4. आश्विन शुक्ल नवमी 6. पराजय, गले में पहनने की माला 7. सदा शुभ और मंगल, सदा कल्याण करने वाला 9. बगुला, बुलबुला 12. जिसका वर्णन न हो सके 14. उगालदान, पीक थूकने का पात्र 15. नकल करने वाला 18. कतार, पंक्ति (उर्दू) 20. लिखने वाला, लेखक 21. वृक्ष का नीचे वाला भाग जिसमें डालियां नहीं होती

Solution 12186

इं	द्र	ध	नु	ष		स	च
गि		र		डा	क	घ	र
त	र	णी		न		न	म
		ध	र	न			रा
स	म	र	स		क	स	ना
त्या	ग		ने	त्र		म	
ना		इ	न्द्री	य	नि	ग्र	ह
स	वि	न	य		द्रा		र्ष

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में रूके कार्यो की शुरूआत होगी, भूमि भवन आदि का सुख मिलेगा, वर्ष के मध्य में नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा, अधिकारियों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में एवं प्रभाव में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में आर्थिक कमी के कारण योजनायें वाधित होंगी, शिक्षा में अचानक व्यवधान आयेगा, आकस्मिक यात्रा में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन आदि का सुख मिलेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में अचानक व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को लाभदायक अवसर प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को यश प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निजीदायित्वों की पूर्ति होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चंचल और मिलनसार होगा. क्रोधी निडर और निर्णय के मामले में निपुण होगा. प्रत्येक कार्य अपने तरीके से पूर्ण करने वाला निष्ठा एवं लगन से कार्य करेगा. माता पिता का आदर करने वाला होगा. देश विदेश की यात्रा करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

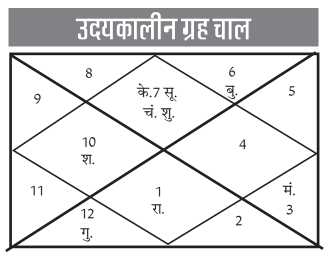

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा भौमवासरे शाम 4/33, मघा नक्षत्रे दिन 7/7, सुकर्मा योगे दिन 10/14, वव करणे सू.उ. 6/14, सू.अ. 5/46, चन्द्रचार सिंह, पर्व- स्नानदान पूर्णिमा, शु.रा. 5, 7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

मेष- मानसिक अस्थिता रहेगी. लेखन अध्ययन कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा.

वृषभ- भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी. संपत्ति विवाद में सफलतापूर्वक कार्य बनेगा. राजकीय कार्यो में यश एवं कीर्ति प्राप्त होगी.

मिथुन- रूके कार्य बनने का योग है. आत्म विश्वास और मनोबल बना रहेगा. बना काम बिगड़ सकता है. आर्थिक योजनाओं की रूपरेखा बनेगी.

कर्क- पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा. सुख सम्मान एवं यश कीर्ति की प्राप्ति होगी. नवीन योजना बनेगी. प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं.

सिंह- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. मनोरंजन, भ्रमण, आमोद प्रमोद, के अवसर आयेंगे. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. धार्मिक कार्यो में खर्च होगा.

कन्या- जमीन जायजाद संबंधी कामकाज बनेगा. व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. मन की बात मित्रों से कह दें, इससे तनाव कम होगा.

तुला- श्रम प्रयास से अभीष्ट कार्यो की पूर्ति होगी. शुभ संदेश मिलेगा. लाभदायक महत्वपूर्ण कार्य बनेगा. नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी. साहस रहेगा.

वृश्चिक- मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे. आकस्मिक धन लाभ होगा. कार्यो की अधिकता रहेगी. विशिष्टजनों से संपर्क लाभदायक रहेगा.

धनु- इच्छित सफलता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव. आत्म विश्वास एवं मनोबल बना रहेगा. पारिवारिक यात्रा सुखद एवं आनन्ददायक रहेगी.

मकर- आलस्य उदासीनता और कामकाज के प्रति अरूचि रहेगी. दैनिक कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. प्रियजनों से विवाद हो सकता है, वैवाहिक चर्चा होगी.

कुम्भ- मदद मिलने से कामकाज की राह आसान होगी. व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. मांगलिक कार्यो में खर्च होगा. प्रवास आदि का योग है.

मीन- व्यापारिक कार्यो में लगन, उत्साह बना रहेगा. प्रयास सफल होगा. मन में प्रसन्नता रहेगी. मनोनुकूल कार्य बनेगा. परिश्रम सार्थक होगा.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा को मघा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, धातु, नीलम, मोती, पुखराज, उड़द, घी, अलसी, तिल, गुड़, खांड़, कपास के भाव में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 1 मिनिट से 18 मिनिट से 25 मिनिट के रूख पर व्यापार लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 5736 है.

SUDOKU 7319

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7318

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4